UNIVERSITY OF CAMBRIDGE INTERNATIONAL EXAMINATIONS
General Certificate of Education Advanced Subsidiary Level

HINDI LANGUAGE **8687/02**

Paper 2 Reading and Writing **October/November 2009**

1 hour 45 minutes

Additional Materials: Answer Booklet/Paper

3653798375

READ THESE INSTRUCTIONS FIRST

If you have been given an Answer Booklet, follow the instructions on the front cover of the Booklet.
Write your Centre number, candidate number and name on all the work you hand in.
Write in dark blue or black pen.
Do not use staples, paper clips, highlighters, glue or correction fluid.

Answer **all** questions.
Write your answers in **Hindi** on the separate answer paper provided.
Dictionaries are **not** permitted.
You should keep to any word limits given in the questions.

At the end of the examination, fasten all your work securely together.
The number of marks is given in brackets [ ] at the end of each question or part question.

पहले नीचे दिए निर्देश पढ़िए

यदि आपको उत्तर-पुस्तिका दी जाती है तो उसके पहले पृष्ठ के निर्देशों का पालन करें।

परीक्षा के लिए आप जो भी काम दें उस पर केन्द्र संख्या और अपना नाम लिखें।

गहरी नीली या काली स्याही वाली कलम से लिखें।

स्टेप्लर, पेपर क्लिप, हाइलाइटर, गोंद या करेक्शन-फ़्लुइड का प्रयोग न करें।

सभी प्रश्नों के उत्तर दें।
अलग से दी गई उत्तर-पुस्तिका में अपने उत्तर **हिन्दी** में लिखें।
उत्तर, प्रश्नों में दिए गए शब्दों की संख्या तक ही सीमित रखें।
शब्दकोश का प्रयोग मना है।

परीक्षा के अंत में अपना सब काम सुरक्षित रूप से एक साथ बाँध दें।
प्रत्येक प्रश्न या प्रश्न-अंश के अंत में उसके निर्धारित अंक कोष्ठकों [ ] में दिए गए हैं।

This document consists of **5** printed pages and **3** blank pages.

DC (LEO/TL) 19083/6
© UCLES 2009

UNIVERSITY *of* CAMBRIDGE
International Examinations

[Turn over

www.theallpapers.com

भाग 1

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अद्भुत निर्माण

आश्चर्य तो यह है कि आधुनिक वैज्ञानिकों ने मात्र कुछ रसायनों को भिन्न भिन्न प्रकार से मिश्रित कर के विभिन्न भांति के महामारी फैलाने वाले कीटाणु अर्थात ऐन्थ्रेक्स न केवल उत्पन्न किए अपितु उन्हें कई गुना विकसित करने के पश्चात्, जैव-बम के आकार में संग्रहित किया। यही बम जैविक-हथियारों के नाम से जाने जाते हैं। प्रसार-साधनों में वर्णित इन जैविक-हथियारों के समाचारों से सामान्य जनता के हाथ पाँव फूल गए।

सन् उन्नीस सौ पचास में अमरीका ने इन्हीं जीवाणुओं को वायुमण्डल में फेंकने की विधि का आविष्कार किया व सिद्ध किया कि इन जीवाणुओं पर तापमान के उतार-चढ़ाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता। इतना ही नहीं इन ऐन्थ्रेक्स जैविक-हथियार का एक एक सूक्ष्म अणु हजारों लोगों को मौत की नींद सुलाने में सक्षम है तथा सम्पूर्ण समाज को तितर-बितर करने के लिए पर्याप्त है। वस्तुतः ये जैविक-हथियार परमाणु-बम से भी कहीं अधिक भयानक हैं।

कल तक जो संसार परमाणु-बमों के आतंकवादी-हाथों में होने से पसीने-पसीने हो रहा था आज वही जगत जैविक-बमों के अवांछित हाथों में पड़ने के भय से पीड़ित है। संभवतः ऐसा इसलिए भी है क्योंकि जैविक-बम या हथियार इतने सुगम साधन बन गए हैं कि इन्हें बनाने के लिए न तो किसी विशिष्ट व जटिल प्रयोगशाला की आवश्यकता है और न ही बहुत अधिक लागत की। विशेषज्ञों की मान्यता है कि परमाणु-आक्रमण का प्रभाव देखने के लिए करोड़ों डॉलर की जरूरत है जब कि जैविक-अस्त्रों का दुष्प्रभाव देखने के लिए केवल कुछ डॉलर की।

सन् उन्नीस सौ बहत्तर में एक सौ तैंतालीस देशों ने पचास जैविक-जीवाणुओं को प्रतिबन्धित करने के लिए एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। किन्तु सन् उन्नीस सौ उन्नासी में रूस की एक सैनिक प्रयोगशाला में ऐन्थ्रेक्स-जीवाणु हवा में फैलने तथा बहुत से लोगों का इस से संक्रमित हो जाने के कारण मर जाने का समाचार मिला। यह कोई आतंकवादी घटना नहीं थी केवल एक दुर्घटना थी, परन्तु इससे यह ज्ञात हो गया कि उस समय सोवियत संघ के पास ऐन्थ्रेक्स के कीटाणु थे। अब ऐसा प्रतीत होता है कि खून के प्यासे आतंकवादी संगठनों ने इन्हें प्राप्त कर लिया है क्योंकि अनेक वायरस युक्त जैविक-अस्त्रों का प्रयोग प्रकाश में आ रहा है।

www.theallpapers.com

1 नीचे दी गई प्रत्येक परिभाषा के लिए उपरोक्त अनुच्छेद में लिखित उन शब्दों या उक्तियों को लिखिए जिनसे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : समाचार प्रदान करने वाले माध्यम (para. 1)

उत्तर : प्रसार-साधन

(a) बढ़ा कर (para. 1) [1]

(b) खोज (para. 2) [1]

(c) असाधारण (para. 3) [1]

(d) पेचीदा (para. 3) [1]

(e) सीमित (para. 4) [1]

[पूर्णांक: 5]

2 निम्नलिखित प्रत्येक शब्द या उक्ति का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में ऐसे वाक्य बनाइए जिससे उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

उदाहरण : तितर-बितर करना (para. 2)

उत्तर : पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक तितर-बितर कर दिया।

(a) हाथ-पाँव फूलना (para. 1) [1]

(b) मौत की नींद सुलाना (para. 2) [1]

(c) पसीने-पसीने होना (para. 3) [1]

(d) प्रतीत (para. 4) [1]

(e) खून का प्यासा (para. 4) [1]

[पूर्णांक : 5]

3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें। (प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।) [पूर्णांक :15+5 =20]

(a) जैविक-हथियार से क्या अभिप्राय है तथा सामान्य जनता पर इसका क्या प्रभाव पड़ा ? [2]

(b) सन् उन्नीस सौ पचास में किस देश ने किस विधि का अनुसंधान किया तथा इससे क्या निष्कर्ष निकाला गया ? [3]

(c) आतंकवादियों के लिए जैविक-हथियार क्यों लाभप्रद हैं? किन्हीं चार लाभों का वर्णन कीजिए। [4]

(d) सन् उन्नीस सौ बहत्तर के घोषणापत्र का विषय क्या था ? कितने देश इससे सहमत हुए और क्यों ? [3]

(e) सोवियत संघ में क्या हुआ था तथा इससे क्या पता चला था? [3]

www.theallpapers.com

भाग 2

अब इस द्वितीय गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए।

षड्यन्त्र का साधन

आज से लगभग आठ वर्ष पूर्व ग्यारह सितम्बर दो हजार एक की आकस्मिक दुर्घटना के पश्चात् अभी अमरीका के नागरिकों के आँसू सूखे भी नहीं थे कि एक नई विपदा ऐन्थ्रेक्स के रूप में मुँह बाए खड़ी हो गई। यद्यपि विशेषज्ञों ने यह आशंका पहले से ही व्यक्त की थी कि 'अमरीका पर जैविक-अस्त्रों द्वारा आक्रमण होने की संभावना है' तथापि डाक द्वारा फैलाए गए इन जैविक-कीटाणुओं से विक्रमित रोग-निदान अथवा मृत्यु के समाचारों ने समस्त अमरीका में खलबली मचा दी।

इतना ही नहीं अमरीका और कीन्या जैसे देशों में सफ़ेद पाउडर से भरे हुए लिफ़ाफ़ों से बहुत से लोगों की मौत की पुष्टि के समाचार मिलने लगे। आतंक फैलाने वालों के लिए इन लिफ़ाफ़ों का प्रयोग अत्यन्त सरल, प्रभावशील व व्यापक सिद्ध हुआ। वे विशेषतः उन देशों को अपना निशाना बनाने लगे जो आतंकवाद का खुले आम विरोध करते थे। निरपेक्ष देशों में भय फैलाने की यह विधि निश्चित रूप से एक भयानक षड़यन्त्र का प्रारूप है ताकि ये देश विरोध करने का साहस न कर सकें। अतः आतंकवादियों ने हवाईजहाज द्वारा संचार-साधनों व डाक-व्यवस्था को बाधित करके समूचे विश्व को अलग-थलग कर देने की कुत्सित योजना बनाई।

कीटाणु- युक्त ऐन्थ्रेक्स मूलतः घोड़े,बकरी,सुअर और भेड़ इत्यादि पशुओं में बहुत तेजी से बीमारी फैलाते हैं और इन्हें मनुष्यों में भी आसानी से फैलाया जा सकता है। चूंकि ये ऐन्थ्रेक्स मानवीय फेफड़ों में अति तीव्र गति से बढ़ते हैं तथा संक्रामक रोगों का कारण बनते हैं, संभवतः इसीलिए आतंकवादियों ने इसे अपना अमूल्य हथियार बनाया है।

स्थान-स्थान पर हो रहे इन हमलों के विरुद्ध केवल चिन्ता व्यक्त करने या भाषण देने के अतिरिक्त आज आवश्यक्ता है कि संसार के सभी देश, सामूहिक विधि द्वारा, इस घृणित व अमानवीय कृत्य के पीछे छिपे चेहरों को अनावृत करें,विशेषतः उन देशों को जो देश की सुरक्षा के नाम पर इस प्रकार के घातक अस्त्रों का चोरी छिपे निर्माण कर रहें हैं। यह तभी सम्भव हो सकता है जब वे सभी राष्ट्र जिन के पास जैविक-अस्त्रों का भण्डार है वे भी अपना सम्पूर्ण संग्रह विनष्ट कर दें। इस आसन्न खतरे की काली छाया से मानवता को छुटकारा दिलाने के लिए अविकसित, विकसित और विकासशील देशों में उपस्थित अन्तर को दूर करके सामंजस्य उत्पन्न करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

www.theallpapers.com

4 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए। अनुच्छेद के वाक्यों की नकल न करें। (प्रत्येक प्रश्न के अन्त में अंकों की संख्या दी गई है। इसके अतिरिक्त आपके उत्तरों की भाषा और शैली के लिए 5 अंक निर्धारित किए गए हैं।) [पूर्णांक :15+5 =20]

(a) अमरीका को किस नई समस्या का सामना करना पड़ा और इसका पता कैसे चला ? [3]

(b) आतंकवादियों ने किन देशों को अपना निशाना बनाया और क्यों ? [4]

(c) इस आतंक में डाक-व्यवस्था और प्रसार-साधन की क्या भूमिका थी ? [2]

(d) मनुष्य के किस अंग में ऐन्थ्रेक्स सबसे अधिक गति से बढ़ता है तथा क्या परिणाम निकलता है ? [2]

(e) लेखक ने इन आक्रमणों के विरुद्ध क्या करने को कहा है?किन्हीं पांच सुझावों पर प्रकाश डालिए। [4]

[पूर्णांक: 20]

5 (a) उपरोक्त दोनों अनुच्छेद जैविक-अस्त्रों से सम्बन्धित हैं। ‘ वैज्ञानिक-अनुसंधान के दुरुपयोग ने इस संसार को एक असुरक्षित स्थान बना दिया है’इस कथन की पुष्टि ऊपरलिखित दोनों अनुच्छेदों के आधार पर कीजिए। [10]

(b) आपके विचार से मानवीय सुरक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए ? [5]

इन दोनों प्रश्नों के उत्तर 140 शब्दों की सीमा तक ही रखिए।

[भाषा और शैली: 5]

[पूर्णांक :20]

© UCLES 2009

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

www.theallpapers.com

BLANK PAGE

Permission to reproduce items where third-party owned material protected by copyright is included has been sought and cleared where possible. Every reasonable effort has been made by the publisher (UCLES) to trace copyright holders, but if any items requiring clearance have unwittingly been included, the publisher will be pleased to make amends at the earliest possible opportunity.

University of Cambridge International Examinations is part of the Cambridge Assessment Group. Cambridge Assessment is the brand name of University of Cambridge Local Examinations Syndicate (UCLES), which is itself a department of the University of Cambridge.

www.theallpapers.com